RNI : UPMUL00620/24/1/2014-TC ISSN : 2394-4366

अभिनव गवेषणा

(मल्टी डिसिप्लिनरी क्वार्टरली इण्टरनेशनल रेफ्रीड रिसर्च जर्नल)

संरक्षक मण्डल

श्री रामशरण श्रीवास्तव (आई.ए.एस. रिटायर्ड), पूर्व जिलाधिकारी, कानपुर नगर

श्री अतुल बागला (सचिव) जे. के. एजूकेशनल ट्रस्ट, कानपुर

डॉ. नरेन्द्र द्विवेदी (पूर्व प्राचार्य) ब्रह्मानन्द कालेज, कानपुर

प्रधान सम्पादक

डॉ. शिव बालक द्विवेदी
(पूर्व प्राचार्य)
श्री बद्रीविशाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय, फर्रुखाबाद

सम्पादक

डॉ. सुधा गुप्ता
एसो. प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष-संस्कृत विभाग,
जुहारी देवी गर्ल्स (पी.जी.) कालेज, कानपुर (उ.प्र.)

सम्पादक मण्डल

♦ **डॉ. निताई सी. नाग** प्रोफेसर-अर्थशास्त्र, चितगांग विश्वविद्यालय, ढाका, बाँग्लादेश ♦ **डॉ. जय प्रकाश भारद्वाज** प्रोफेसर-हिन्दी भाषा एवं साहित्य, रोमेला सोपेन्जा, पी एल ई, आल्डो मोरो, रोम ♦ **डॉ. बीना शर्मा** विभागाध्यक्ष - हिन्दी केरिकुलम डेवलपमेन्ट सोसाइटी, सिंगापुर ♦ **डॉ. मुकेश कुमार सिंह राठौर** (प्राचार्य) डी. एन. कालेज, फतेहगढ़ (उ. प्र.), ♦ **डॉ. विवेक द्विवेदी** (प्राचार्य) बी. एन. डी. कालेज, कानपुर ♦ **डॉ. स्वदेश श्रीवास्तव** (प्राचार्य) हरसहाय पी. जी. कालेज, पी रोड, कानपुर, ♦ **डॉ. साधना सिंह** (प्राचार्या) दयानन्द गर्ल्स पीजी कालेज, कानपुर ♦ **डॉ. शरद चन्द्र मिश्र** (प्राचार्य) बद्री विशाल कालेज फर्रुखाबाद ♦ **डॉ. ऋतम्भरा** (प्राचार्या) ए. एन. डी. कालेज, हर्षनगर, कानपुर ♦ **डॉ. शैलजा शुक्ला** (प्राचार्या) कानपुर विद्या मंदिर पी.जी. कालेज, स्वरूप नगर, कानपुर ♦ **डॉ. छाया जैन** (प्राचार्या), वी. एस. एस. डी. कालेज, कानपुर, ♦**डॉ. तनवीर अख्तर** (प्राचार्य) हलीम मुस्लिम पी. जी. कालेज, कानपुर ♦ **डॉ. रजत चतुर्वेदी** (प्राचार्या) जुहारी देवी गर्ल्स पी.जी. कालेज, कानपुर ♦ **डॉ. सुरचना त्रिवेदी** (प्राचार्या) भगवानदीन आर्य कन्या महाविद्यालय, लखीमपुर-खीरी ♦ **डॉ. अमित सक्सेना** (प्राचार्य), खालसा गर्ल्स डिग्री कालेज, हरजेन्दर नगर, कानपुर (सभी उ.प्र.)।

हिन्दी -

डॉ. अमृता देसाई ढिंगे एस. एस. आम्बिये गवर्नमेन्ट आर्ट्स एण्ड कामर्स कालेज, विरनोडा, पेरनेम (गोवा)
डॉ. सरिता चौहान डी.ए.वी.महिला कालेज,चण्डीगढ़ (पंजाब)
डॉ. रश्मि चतुर्वेदी महिला महाविद्यालय, कानपुर (उ.प्र.)
डॉ. प्रेमिला के.वी.एम.पी.जी. कालेज, स्वरूपनगर, कानपुर

अंग्रेजी -

डॉ. दलसानियां कंचनबेन मगनलाल राजकोट (गुजरात)
डॉ. सुचित्रा मिश्रा डी. बी. एस. कालेज, कानपुर
डॉ. निवेदिता टण्टन डी. जी. पी. जी. कालेज, कानपुर
डॉ. कृष्णकान्त अवस्थी गौरीशंकर द्विवेदी डिग्री कालेज, झींझक, कानपुर देहात

संस्कृत-

डॉ. आशारानी पाण्डेय डी. जी. पी. जी. कालेज, कानपुर
डॉ. गीता शुक्ला भ.आ.क. महाविद्यालय, लखीमपुर खीरी
डॉ. प्रयाग नारायण मिश्र लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ
डॉ. अनिल सिन्हा डी. ए. वी. कालेज, कानपुर
डॉ. शलिनी अग्रवाल जुहारीदेवी गर्ल्स पी.जी. कालेज, कानपुर

शिक्षाशास्त्र -

डॉ. ममता दीक्षित महिला महाविद्यालय, कानपुर
डॉ. बिन्दुमती द्विवेदी संस्कृत यूनी., बहादराबाद, हरिद्वार
डॉ. रीता श्रीवास्तव ए. एन. डी. एन. एन. कालेज, कानपुर

राजनीतिशास्त्र -

डॉ. अर्चना दीक्षित जुहारी देवी गर्ल्स पी.जी. कालेज, कानपुर
डॉ. आलोक कुमार सिंह डी. एन. कालेज, फतेहगढ़-फर्रु.
डॉ. सीमा वर्मा महिला महाविद्यालय, किदवई नगर, कानपुर

अर्थशास्त्र -

डॉ. ज्ञानप्रभा अग्रवाल जुहारीदेवी गर्ल्स पी.जी. कालेज, कानपुर

डॉ. नरेश कुमार गर्ग एस एम जे एन पीजी कालेज, हरिद्वार
डॉ. सुनीत अवस्थी डी. ए. वी. कालेज कानपुर
डॉ. अखिलेश दीक्षित अरमापुर पीजी कालेज, कानपुर

मनोविज्ञान -

डॉ. रेणुका जोशी डी. ए. वी. कालेज, देहरादून (यूके)
डॉ. साधना यादव जुहारीदेवी गर्ल्स पी.जी. कालेज, कानपुर
डॉ. मोनिका सहाय एस.एन.सेन. (पी.जी.) कालेज, कानपुर
डॉ. रश्मि रावत डी. ए. वी. कालेज, देहरादून (यूके)

समाजशास्त्र -

डॉ. वन्दना नारायण जुहारी देवी गर्ल्स पी.जी. कालेज, कानपुर
डॉ. पीयूष मिश्रा डी.ए.वी. कालेज, देहरादून (उत्तराखण्ड)
डॉ. सत्यम् द्विवेदी डी. ए. वी. कालेज, देहरादून (यूके)
डॉ. भावना महिला महाविद्यालय, कानपुर
डॉ. पारितोष सिंह डी. बी. एस. कालेज, देहरादून (यूके)

इतिहास -

डॉ. अंजूबाली पाण्डेय डी. बी. एस. कालेज, देहरादून (यूके)
डॉ. चाँदनी सक्सेना जुहारी देवी गर्ल्स पी.जी. कालेज, कानपुर
डॉ. अर्चना शुक्ला एम. के. पी. कालेज, देहरादून (यूके)
डॉ. सुमन शुक्ला राजकीय महाविद्यालय, बाँगर-कन्नौज
डॉ. संजय माहेश्वरी एस. एम. जे. एन. पीजी कालेज, हरिद्वार (यूके)

गणित -

डॉ. रन सिंह डी. ए. वी कालेज, कानपुर
डॉ. गणेश गोपाल श्री वार्ष्णेय महाविद्यालय, अलीगढ़
डॉ. अनोखेलाल पाठक बी. एन. डी. कालेज, कानपुर
डॉ. शिखा गुप्ता चिन्मय डिग्री कालेज, हरिद्वार (यूके)

भौतिक विज्ञान -

डॉ. ए. के. अग्निहोत्री बी. एन. डी. कालेज, कानपुर
डॉ. वी. के. कटियार बी. एन. डी. कालेज, कानपुर
डॉ. प्रकाश दुबे जनता डिग्री कालेज बकेवर, औरैया
डॉ. नवनीत मिश्रा बी एन डी कालेज, कानपुर

रसायन विज्ञान -

डॉ. पी. के. श्रीवास्तव डी. बी. एस. कालेज, कानपुर
डॉ. रोली अग्रवाल श्री वार्ष्णेय महाविद्यालय, अलीगढ़
डॉ. अर्चना पाण्डेय बी. एन. डी. कालेज, कानपुर
डॉ. ओम कुमारी के. के. कालेज, इटावा

जन्तु विज्ञान -

डॉ. मधु सहगल जनता डिग्री कालेज, बकेवर-औरैया
डॉ. विकास यादव श्री वार्ष्णेय महाविद्यालय, अलीगढ़
डॉ. आलोक कु. श्रीवास्तव डी. बी. एस. कालेज, कानपुर
डॉ. अजय कुमार चिन्मय डिग्री कालेज, हरिद्वार

वनस्पति विज्ञान -

डॉ. जे. पी. शुक्ला डी. बी. एस. कालेज, कानपुर
डॉ. मनीषा चिन्मय डिग्री कालेज, हरिद्वार (यूके)
डॉ. सीमा आनन्द श्री वार्ष्णेय महाविद्यालय, अलीगढ़

कामर्स विभाग-

डॉ. पियूष प्रकाश डी. ए. वी. कालेज, कानपुर
डॉ. मनोज श्रीवास्तव डी.ए.वी. कालेज, कानपुर (उ. प्र.)
डॉ. के. एन. मिश्र आरमापुर (पी.जी.) कालेज, कानपुर
डॉ. योगेश शुक्ल जनता डिग्री कालेज, बकेवर, औरैया

विधि (लॉ) -

डॉ. शाहराजिक खालिद श्री वार्ष्णेय महाविद्यालय,अलीगढ
डॉ. पी. एन. त्रिवेदी वी. एस. एस. डी. कालेज, कानपुर
श्री फरीद खान श्री वार्ष्णेय महाविद्यालय, अलीगढ़ (उ. प्र.)
डॉ. गुँजन अग्रवाल श्री वार्ष्णेय महाविद्यालय,अलीगढ

प्रबन्ध सम्पादक एवं प्रकाशक -

श्री सर्वेश तिवारी 'राजन'
विश्व बैंक बर्रा, कानपुर - 208027

सभी संपादकीय दायित्व पूर्णतः अवैतनिक हैं।

नोट- प्रकाशित आलेखों के विचारों से सम्पादक व प्रकाशक की सहमति अनिवार्य नहीं है । समस्त वाद का क्षेत्र कानपुर होगा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं प्रबन्ध सम्पादक सर्वेश तिवारी `राजन'** द्वारा **पूजा प्रिन्टर्स** हमीरपुर रोड, नौबस्ता, कानपुर-208022 से मुद्रित एवं **सुपर प्रकाशन** के-444 `शिवराम कृपा', विश्व बैंक बर्रा, कानपुर-208027 से प्रकाशित। सम्पादक - **डॉ. सुधा गुप्ता मो.- 09450690515। **सम्पर्क -** मो.- 08896244776, 09335597658
E-mail: super.prakashan@gmail.com, Website : www.abhinavgaveshana.com

सम्पादक की कलम से ......

आज की भीषण समस्या कोविड-19 अर्थात् कोरोना वायरस जन्य संक्रमण से फैली महामारी है। 'कोरोना' शब्द से ही 'करो ना' प्रतिध्वनित होता है, जिसका तात्पर्य है Lock Down । कोरोना मानव मात्र के लिए घातक हो सकने वाले उन तमाम नित्य प्रति के कृत्यों (कार्यों) को न करने (Lock Down) का प्रकृति का सशक्त मौन सन्देश है, जिनकी तरफ आज से हजारों वर्ष पूर्व हमारे ऋषियों-मुनियों, धर्माचार्यों ने शौच-विधान करते हुए कुछ स्पष्ट निर्देश दिये थे। आज कोरोना महामारी के इस भीषण संक्रमण काल में वे ही सारे नियम व सावधानियाँ सरकार व चिकित्सकों द्वारा जन-जन के द्वारा पालन करवाये जाने पर जोर दिया जा रहा है। शौच विधान से तात्पर्य शुचिता अथवा पवित्रता बनाये रखने के लिए दैनिक आचरण में प्रयुक्त होने वाले कर्त्तव्य कर्मों से है। यथा -

'हस्तपादे मुखे चैव पञ्चार्द्रो भोजनं चरेत्।'

अर्थात् दोनों हाथ, दोनों पैर तथा मुख - इन पाँचों को धोने के पश्चात् ही भोजन करना चाहिए।

अपि च -

'न धारयेत् परस्यैवं स्नानवस्त्रं कदाचन।'

अर्थात् कभी भी दूसरे का तौलिया प्रयोग में नहीं लाना चाहिए। इसी प्रकार -

'घ्राणास्ये वाससाच्छाद्य मलमूत्रं त्यजेत् बुधः।'

अर्थात् मल-मूत्र का त्याग मुख-नासिका ढककर ही करना चाहिए। तथा -

'वमने श्मश्रुकर्मणि कृते च स्नाननम् आचरेयुः।'

अर्थात् वमन (उल्टी) और दाढ़ी बनाने के बाद अवश्य स्नान करना चाहिए। आदि-आदि

हमारे पूर्वजों द्वारा कराया जाने वाला जन्म व मृत्युकालीन शौच विधान बिल्कुल आज के क्वारण्टीन और आइसोलेशन जैसा ही था, जिसका पालन करना आज की पीढ़ी भूल चुकी है। शिशु के जन्म लेते ही सगे-सम्बन्धियों व मिलने वालों की भीड़ लग जाती है। वस्तुतः माँ व नवजात शिशु के लिए यह कदापि उचित नहीं होता। अतः ऐसे में एक दृष्टि आपकी अपनी पूर्व पीढ़ियों पर अथवा वैदिककालीन जीवन पद्धति पर डालना असंगत नहीं होगा, जब कि कम से कम सीमित संसाधनों में भी हमारे पूर्वज स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन जीते हुए बिना किसी रोग-दोष के प्राकृतिक रूप से वृक्ष के पत्ते की भाँति शाखा से च्युत होकर (टूटकर) पञ्च तत्व में विलीन हो गये।

वस्तुतः हमारे वैदिक वाङ्मय में एक परिशुद्ध मानव की कल्पना की गयी है, जो आधि-व्याधि से रहित शतायु (सौ वर्ष की आयु) जीवन सुखपूर्वक जीने में प्रकृति प्रदत्त शक्ति सम्पन्न है। मानव को यह आयु और अवसर दोनों ही स्वाभाविक रूप से प्रकृति से प्राप्त है। आवश्यकता तो केवल इस आयु और अवसर का लाभ उठाने की है। यद्यपि आज परिवर्तित जीवन शैली के कारण इसमें निरन्तर ह्रास होता चला जा रहा है। इसका स्पष्ट संकेत हमारे धर्माचार्यों ने कुछ इस प्रकार दिया भी है, कि -

'शौचे यत्नः सदाकार्यः ...... शौचाचारविहीनस्य समस्ता निष्फलाः क्रिया।।'

अर्थात् मनुष्य को शुचिता (पवित्रता) के प्रति सदैव प्रयत्नशील रहना चाहिए; क्योंकि शुचिपूर्ण आचरण से रहित

व्यक्ति की समस्त क्रियायें निष्फल हो जाती हैं।

आज सम्पूर्ण विश्व में ऐसी ही स्थिति दृष्टिगोचर हो रही है। कोविड-19 के कारण बड़े से बड़े व्यक्ति का समस्त वैभव, सम्पदा, सामर्थ्य व शक्ति निष्फल हो रही है। धर्मशास्त्रों में शौच के दो विभाग किये गये हैं-

'शौचं तु द्विविधं प्रोक्तं बाह्याभ्यन्तरं तथा।
मृज्जलाभ्यां स्मृतं बाह्यं, भावशुद्धिस्तथान्तरम्।।'

स्पष्ट है कि बाह्य और आन्तरिक भेद से यह शुद्धि दो प्रकार की बतायी गयी है, जिसमें से मिट्टी और जल द्वारा मनुष्य के बाह्य शरीर की शुद्धि होती है और आन्तरिक शुद्धि तो भावों के शुद्ध होने पर ही सम्भव है। मूलतः हमारी स्मृतियों (धर्मशास्त्रों) में शौच के प्रमुख 10 उपादान बताये गये हैं- (1) जल, (2) मृत्तिका, (3) अग्नि, (4) वायु, (5) काल (समय), (6) कर्म, (7) ज्ञान, (8) मन, (9) प्रायश्चित्त और (10) निराहार।

इनमें से मात्र जल और मृत्तिका - ये दो ही उपादान स्थूल शरीरगत बाह्यशुद्धिकारक हैं; जब कि शेष सभी उपादानों का सम्बन्ध अन्तःकरण की शुद्धि से होने के कारण अत्यन्त सूक्ष्म हैं। आज का मानव शरीरगत आवश्यक परिमार्जन के लिए भी जल के स्थान पर टिश्यू पेपर का अधिकाधिक प्रयोग करने लगा है, जो वृक्षों के जीवन को नष्ट करने का मुख्य कारण है। प्राकृतिक असन्तुलन के ऐसे ही न जाने कितने कारण मनुष्य ने अपने जीवन में अपना लिये हैं। मिट्टी को तो शुद्धिकारक न मानकर गन्दगी का कारण माना जाने लगा है। मृत्तिका का प्रयोग तो अब मात्र पूजन और हवन-काल में ही यदा-कदा दृष्टिगोचर होता है। हमारी नित्य-प्रति की शुचिता सब इन्हीं दैनन्दिन आचरणों से प्रभावित हुई है। कोरोना संकट ने एक बार फिर से मनुष्य को हस्त-प्रक्षालन, मुख-नासिका अवगुंठन (ढंकना), पारस्परिक व्यवहारगत उचित दूरी, नमस्कार, अभिवादन तथा एकान्त सेवन जैसे आचरण के प्रति सजग और सचेष्ट बना दिया है।

'अभिनव गवेषणा' के प्रस्तुत अंक में महामारी जनित इस आपदा को अवसर में परिवर्तित करते हुए जहाँ एक ओर कचरा-प्रबन्धन, पर्यावरण संरक्षण तथा बाल अपराध नियंत्रण जैसे विषयों पर शोध-पत्र दिये गये हैं, वहीं दूसरी ओर कोविड-19 से उत्पन्न समस्याओं के निदान पर भी विस्तृत विचार किया गया है। यही कारण है कि यह अंक अनेक ऐसे बिन्दुओं को सुधी विद्वानों के लिए छोड़ेगा, जिस पर चिन्तन-मनन करते हुए निश्चिइत तौर पर किञ्चित् समाधान प्राप्त हो सकेंगे, ऐसी आशा और विश्वास के साथ आपको समर्पित **'अभिनव गवेषणा'**

इति

- डॉ. सुधा गुप्ता
एसोसिएट प्रोफेसर एवं अध्यक्ष - संस्कृत विभाग
तथा
मुख्य प्रानुशासक
जुहारी देवी गर्ल्स पी. जी. कालेज,
केनाल रोड, कानपुर-208004 (उत्तर प्रदेश)

Index

Editorial Board -
Dr. Shiv Balak Dwivedi - Chief Editor- Abhinav Gaveshna' (Multi Disciplinary Quarterly International Refereed Research Journal) & Ex. Principal, Badri Vishal P.G. College, Farrukhabad (U.P.). &
Dr. Sudha Gupta : Editor - Abhinav Gaveshna' (Multi Disciplinary Quarterly International Refereed Research Journal), Associate Professor & Head, Dept of Sanskrit, Juhari Devi Girls P.G. College, Kanpur (U.P.).

1-	**Mughal Architecture**	- Dr. Sadhna Trivedi	07
2-	बाल अपराध : एक समाजशास्त्रीय अध्ययन	- Dr. Shiv Kumar Tripathi	12
3-	**भारत के वर्तमान संदर्भ में पर्यावरण संरक्षण : चुनौतियाँ एवं सम्भावनाएँ**	– डॉ. दीपा प्रधान	19
4-	**ई-कचरा प्रबन्धन : समस्या और समाधान**	– डॉ. मीता जमाल	22
5-	आदिवासी समाज और शैक्षिक विकास	- डॉ. शशीरानी अवस्थी	26
6-	सरकार द्वारा निर्धारित की गयी दोहरी कर प्रणाली से सामान्य जनता को लाभ	- डॉ. ए. के. जैन	31
7-	**Emerging Trends in E-commerce : An Indian Perspective**	- Dr. Neelam Agarwal, - Shreya	34
8-	समाजवादी नायक : राम मनोहर लोहिया	- डॉ. सीमा वर्मा	39
9-	**वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता**	- डॉ. सारिका श्रीवास्तव	43
10-	**पर्यावरणीय उतार-चढ़ाव**	- डॉ. राजेन्द्र सिंह	45
11-	**Agroforestry in Conservation of Degraded Environment**	- Dr. Vishal Saxena	48
12-	**Green Technology:Towards A Better Tomorrow**	- Sunil Kumar Mishra	53
13-	**Environmental Degradation : Some Responsible Factors and Influences**	- Dr. Rajul Saxena	56
14-	समकालीन हिन्दी कविता और 'आत्ममंथन'	– डॉ. आशा वर्मा	60
15-	**कोविड– 19 महामारी एवं प्रवासी मजदूर**	– डॉ. भानु प्रताप सिंह	63
16-	**Indian Economy : Step towards Self-Reliance-Vocal for Local to Global**	- Dr Anju Srivastava	67
17-	**रोजगार एवं कोविड–19**	– डॉ. ज्ञानप्रभा अग्रवाल	72
18-	आज की समस्याओं का समाधान : धम्मपद	– डॉ. अभिमन्यु सिंह	75
19-	**हिन्दी एकांकियों में ग्राम्यांचल संस्कृति वैशिष्ट्य**	– डॉ. कमल सोमवंशी	79
20-	**Cultural Crisis and Migrant Identity in Bharati Mukherjee's 'Desirable Daughters' and 'Jasmine'**	- Dr. Manju Srivastava	83
21-	**Ambedkar & Constitution of India**	- Dr. Deepali Saxena	87
22-	भारतीय महिला श्रमिक व उनकी सामाजिक स्थिति	– श्रीमती दीपिका श्रीवास्तव	90
23-	**Trends of Foreign Direct Investment in India**	- Dr. Jai Prakash	93

24-	मध्यभारतीय भाषाओं का संस्कृत से सम्बन्ध	- डॉ. मिथलेश गंगवार	97
25-	वर्तमान में कबीर की प्रासंगिकता का आधार	- डॉ. विवेक कुमार	101
26-	भारतीय अर्थव्यवस्था और वैश्विक महामारी	- डॉ. अजय स्वरूप सक्सेना] डॉ. अर्चना सक्सेना	105
27-	समाज में नारी का अवदान	- डॉ. अनिल कुमार सिन्हा	111
28-	भारतीय अर्थव्यवस्था पर कोरोना महामारी का प्रभाव	- डॉ. प्रदीप कुमार त्रिपाठी	114
29-	**On-Line Shopping Experiences of Indian Consumers in Pandemic Period**	- Dr. Y. C. Vishnoi	119
30-	**Microfinance and Non-Corporate Entrepreneurship Initiatives**	- Dr. Indra Nirmal	122
31-	जयशंकर प्रसाद के नाटकों में साम्प्रदायिकता और क्षेत्रीयतावाद	– डॉ. राजकुमार	126
32-	संस्कृत और मध्य भारतीय भाषाएँ	- डॉ. सवितुर प्रकाश गंगवार	129
33-	अथर्ववेदप्राधान्यविमर्शः	- डॉ. प्रयागनारायणमिश्रः	134
34-	**Theoretical Study of Three-Layered Model of Blood flow through Narrow Vessels**	- Dr. Ran Singh - Dr. Pushpendra Kumar Tripathi	139
35-	**A Study of Diaspora in Indian English Fiction**	-Dr. Priya Srivastava, Dr. Seema Nigam	144
36-	**Technology : The Driving Force of Today's Commerce**	- Dr. Sudhanshu Chaman ji - Dr. Shweta Srivastava	147
37-	**The Commanding Heights of Nehru**	- Dr. Suman Gupta	155
38-	**Lord Buddha:The Alma-Matter of Ecology**	- Dr. Meera Tripathi	157
39-	**The Role of Micro Finance Programmes is Empowering Women Entrepreneurs**	- Dr. Mohini Agarwarl	159
40-	1857 के स्वतन्त्रता संग्राम के राजनीतिक कारण	- डॉ. अनामिका वर्मा	161
41-	मनुस्मृति में वर्णित व्यक्ति एवं राष्ट्र का सम्बन्ध वर्तमान परिप्रेक्ष्य में	– डॉ. कामिनी त्रिपाठी	166
42-	**Reason and Faith in Religion**	- Dr. D. C. Srivastava	169
44-	**Bio-Defence : Pros and Cons**	- Dr. Atul Tewari, - Dr. Vijay Tewari	174
45-	**Validity of Stokes-Einstein relation for Lennard-Jones fluids**	- K. B. Kushwaha, - Rajeev Kumar	180
46-	**A Sociological Study on the Role of DASP in the Development of Rural Area**	- Dr. Nishi Prakash	186
47-	आर्थिक विकास का पर्यावरण पर प्रभाव एवं शिक्षा की भूमिका	– डॉ. प्रज्ञा श्रीवास्तव	193
48-	अवध का सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन	– शिखा पाण्डे	196
49-	उत्तर प्रदेश में दलित राजनीतिक उभार : एक समीक्षात्मक अध्ययन	– डॉ. रमेश चन्द्र ओझा	200
50-	**`Team Building and Management Efforts**	- Dr. Shipra V. Srivastava	204
51-	पितृसत्ता से स्त्रीमुक्ति का प्रयासःप्रभा खेतान	– डॉ. मीना सिंह गौर	209
52-	**Pradeshiya Industrial & Investment Corporation of UP and Entrepreneurial Development**	- Dr Tanweer Akhtar	212
53-	**Unemployment, Poverty and Crime**	- Manisha Shukla	218

◈◈